संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -280 शनिवार ,10 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान के 28 वें दिन ही सरकार ने खोया आपा...रौंदा संपादक का प्रतिष्ठान व कार्यालय...

-फाईल फोटो-

-फाईल फोटो-

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है... ?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं... ?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी... ?

» भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश निर्माण का था जिनका संकल्प,भर्तियों में धांधली की जांच था जिनका संकल्प,अब वह उन्हीं के साथ जिनकी वह कराने वाले थे संकल्प पत्र में वादा कर जांच...

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी,दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार ?

» जिसकी डिग्री है फर्जी जो है...मंत्री का रिश्तेदार क्या उसे बर्खास्त करोगे प्रदेश के कर्णधार... ?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड... ?

कलम बंद...का इकतालीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं?
स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का किया प्रयास...फिर भी नहीं बनी बात तो चलवाया बुलडोजर...ये कैसा संरक्षण?
ये कैसे पत्रकारों की सुरक्षा... कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...
जब उन्हें सच लिखने की मिलेगी सजा?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...क्या छापे आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब? स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी. स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन. स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...गृहमंत्री जी, भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक्क पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान..?

-फाईल फोटो-

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

आखिर कलम बंद करने के लिए एक अखबार को किसने किया मजबूर...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर,09 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के दैनिक घटती-घटना अखबार को आखिरकार कलम बंद क्यों करना पड़ा..? यह सवाल सभी के जेहन में आ रहा होगा, तो हम आपको बताना चाहेंगे कि दैनिक घटती-घटना अखबार सदैव ही लोगों के लिए सच्ची खबर प्रकाशित करने का काम करता है...सरकार किसी की भी हो...उन्हें कमियां दिखाने का काम करता रहा है... पिछली सरकार में भी सच लिखने का काम दैनिक घटती-घटना ने किया था, उस समय भी परेशानियों का सामना संपादक सहित पत्रकारों को अखबार को करना पड़ा था, लेकिन उस समय परेशानियों का सामना मुकदमों से करना पड़ा था। कई मामले कानूनी दर्ज होने के तौर पर करना पड़ा था। वहीं इस बार आर्थिक क्षति के तौर पर अखबार के संपादक को नुकसान झेलना पड़ा है । भारत के लोकतंत्र में चौथा स्थान पत्रकारिता का आता है जिसे निष्पक्षता के साथ करना अत्यंत जरूरी है, ताकि देश में संतुलन बना रहे । जो काम दैनिकघटती-घटना बखूबी करता भी है, सत्ता परिवर्तन हुआ और नई सत्ता आई पर कमियों को दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित करना शुरू किया,जब पुरानी सरकार की कमियों को प्रकाशित किया गया था तब जनता ने नई सरकार चुनने का फैसला लिया और जब आज नई सरकार जनता के हित के लिए चुनी गई तो आज यह सरकार भी जनता के हित के लिए काम नहीं कर रही है। जिन कमियों को दिखाने का काम एक बार फिर दैनिक घटती-घटना ने शुरू किया, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जो दैनिक घटती-घटना की खबरों की ही देन है उनसे जुड़ी कमियों को अखबार ने जब दिखाना शुरू किया तो उन्हें यह बात रास नहीं आई और उन्होंने अपनी कमियां दूर करने के बजाय दैनिक घटती-घटना को दबाने के लिए उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाया जिसका निर्देश उन्होंने मौखिक दिया गया जो न्यायोचित नहीं था और जो शासन की योजनाएं थी उस विज्ञापन को रोका गया जो पैसा भी शासन का था ना कि किसी मंत्री या अधिकारी के घर का, विज्ञापन रोकने में भी इतनी तत्परता दिखाई गई की नियमों को भी दरकिनार किया गया, इसके बाद भी दैनिक घटती-घटना कमियों की खबर प्रकाशित करता रहा,और लोकतंत्र को दबाया ना जाए इसके लिए दैनिक घटती-घटना ने 1 जुलाई से कलम बंद अभियान की शुरुआत की ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हमेशा ही स्वतंत्रता के साथ काम कर सके। दैनिकघटती-घटना अखबार इस अभियान को सिर्फ अपने लिए शुरू नहीं किया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बचाने के लिए इस अभियान को शुरू किया...ताकि जहां पर प्रेस ऑफ फ्रीडम का स्थान भारत में 169 वां है जो काफी शर्मनाक है और इस और देश के सर्वोच्च न्यायालय व देश के प्रधानमंत्री को सोचना चाहिए,और यह भी सोचना चाहिए कि जिस देश में प्रेस ऑफ फ्रीडम की स्थिति अच्छी है वहां पर उस देश की भी स्थिति अच्छी है। लोकतंत्र पर दबाव बनाने के लिए प्रदेश के अखबार के प्रतिष्ठान पर कार्यवाही सहित शासकीय विज्ञापन की रोक कहीं ना कहीं लोकतंत्र को कुचलना भी लोगों की आवाज को दबाने का ही प्रयास जैसा है,दैनिक घटती - घटना के कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और संयुक्त संचालनालय जनसंपर्क के उपसंचालक मयंक श्रीवास्तव से शासकीय विज्ञापन बंद करने को लेकर सवाल पूछा कि आखिर क्या छापें जिससे आपको बुरा ना लगे पर यह बात भी सरकार को नागवार गुजरी और सरकार ने और बड़ा कदम उठाया ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कुचला जा सके। कलमबंद अभियान के तहत 28 दिनों से प्रदेश के जिम्मेदार व प्रदेश की बेहतरी के लिए जिनके हाथों में कमान है उनसे सवाल किया गया पर वह सवाल को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए और 28 में दिन दैनिक घटती-घटना के संस्थान पर बुलडोजर चलवा दिया,बुलडोजर चलवाना भले ही लोकतंत्र को कुचलने के लिए आसान लगा हो पर बुलडोजर चलने की आवाज भी पूरे देश में गूंज गई पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार की तानाशाही दिख गई लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास दिख गया,पर नहीं दिख सकी तो सरकार की संवेदना सरकार ने यह बता दिया कि उनके अंदर संवेदना बिल्कुल नहीं है क्योंकि जिस समय कार्यवाही की गई वह समय संपादक के घर पर शोक का था पर शोक के समय में सरकार ने कार्यवाही करके हिंदूवादी पार्टी होने के दावे को भी झुठला दिया। अखबार जो कमियों को दिखा रहा था वह कमी वाकई में सरकार की छवि को खराब कर रही थी सरकार अखबार की खबरों पर संज्ञान लेकर अपनी छवि को बेहतर कर सकती थी उनके मंत्री अपनी छवि को बेहतर कर सकते थे पर अपनी छवि बेहतर करने के बजाय अपनी छवि को और खराब करने का सरकार का प्रयास सरकार के लिए ही गले की फांस बन गई। जो स्वास्थ्य मंत्री का विपक्ष में रहते हुए बड़ा नाम था वहीं स्वास्थ्य मंत्री को सत्ता मिलते ही उस नाम को सरे बाजार नीलाम कर लिया और वह भी सिर्फ अपने विवादित कर्मचारी की वजह से यहां तक की संघ को भी उन्होंने नहीं छोड़ा। इस लेख के माध्यम से हम यह भी जानना चाहेंगे की क्या कलम बंद अभियान चलाकर एक अखबार ने गलत किया या फिर पूरे देश के लोकतंत्र को बचाने का प्रयास किया इस पर आपकी क्या राय है यह भी जरूर दें।

समाचार पत्र में
छपे समाचार
एवं लेखों पर सम्पादक की
सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा
ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक
खबरें प्रकाशित करना है न कि
किसी की भावनाओं को ठेस
पहुंचाना। सभी विवादों का
निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय
के अधीन होगा।

CMYK

खुला पत्र

भ्रष्ट सूरमाओं की लग रही थी खबर जो नहीं कर पाए बर्दाश्त... ऐसे बौखलाए कि गिराने पहुंचे संस्थान...फिर भी खबर का प्रकाशन जारी...अब जान लेने की है बारी...?

» सत्ता के नशे में भ्रष्ट सुरमा...अपने आप को काफी शक्तिशाली समझ बैठे... और वह किया जिसकी प्रदेश में कल्पना भी नहीं की जा सकती थी...

» भ्रष्ट सूरमाओं को नहीं आई शर्म...इतने बड़े निकले बेशर्म...कि शोक की बेला का भी नहीं रखा उन्होंने ध्यान...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर, 09 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। भ्रष्ट सूरमा किसे कहा जाता है,इसकी संज्ञा की व्याख्या करना उतना जरुरी नहीं है, क्योंकि लगभग लोग इस वाक्य को समझ सकते हैं इसका अर्थ निकाल सकते हैं। भ्रष्ट सूरमाओं की बात इसलिए हो रही है...क्योंकि भ्रष्ट सूरमाओं को मिल गया है सत्ता...और सत्ता में मिल गया है कैबिनेट...और कैबिनेट मिलने वाले के तंत्र भी है भ्रष्ट सूरमा...। जब भ्रष्ट सूरमाओं की खबर लगती है... तो यह अपने आप को सत्ता की ताकत में बहुत ताकतवर समझ बैठते हैं...और यह समझ बैठे हैं कि उनसे बड़ा ताकतवर तो कोई नहीं है...उन्हें कोई भी हरा नहीं सकता... उन्हें कोई भी झुका नहीं सकता...उस समय इनका घमंड रावण के घमंड से भी ऊपर होता है। पर शायद यह भूल जाते हैं कि जब रावण का घमंड टूट सकता है...तो फिर सत्ता के नशे में चूर भ्रष्ट सूरमाओं का क्या होगा... प्रदेश के एक संभाग में लोकतंत्र को कुचलने के लिए भ्रष्ट सूरमाओं का किया गया प्रयास कहीं ना कहीं उन्हीं के गले की फांस बन गया है। जनता के सामने बेनकाब हो गए हैं। वह अपनी ताकत का परिचय उन्होंने तब दिया...जब सामने वाला व्यक्ति घायल अवस्था में था... और उसके बाद इतने खुश हैं कि उन्होंने कितनी बड़ी जंग जीत ली है...। वह भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कुचलकर उसके मुंह को दबाकर इसके बाद भी कलम नहीं रोक पा रहें हैं...तो अब क्या जान लोगे...? अपनी पूरी ताकत दिखाने के बाद भी अपनी खबरों को अपनी कमियों को छापने से नहीं बचा पा रहे...पूरे प्रदेश की किरकिरी हो रही फिर भी आडंबर जारी है।

बताना जरूरी है की प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर साथ ही उनके ओएसडी को लेकर सरगुजा अंचल का दैनिक घटती -घटना समाचार-पत्र लगातार समाचार प्रकाशित कर रहा था जिसका तथ्य यह था की प्रभारी डीपीएम सूरजपुर की डिग्री फर्जी है जिसका आरोप एक व्यक्ति ने लगाया है और उनकी बर्खास्तगी की वह मांग कर रहा है। कानूनी दंड वह उसके विरुद्ध चाहता है । कोरिया जिले में रहते हुए भी प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोप थे वहीं स्वास्थ्य मंत्री के

-फाईल फोटो-

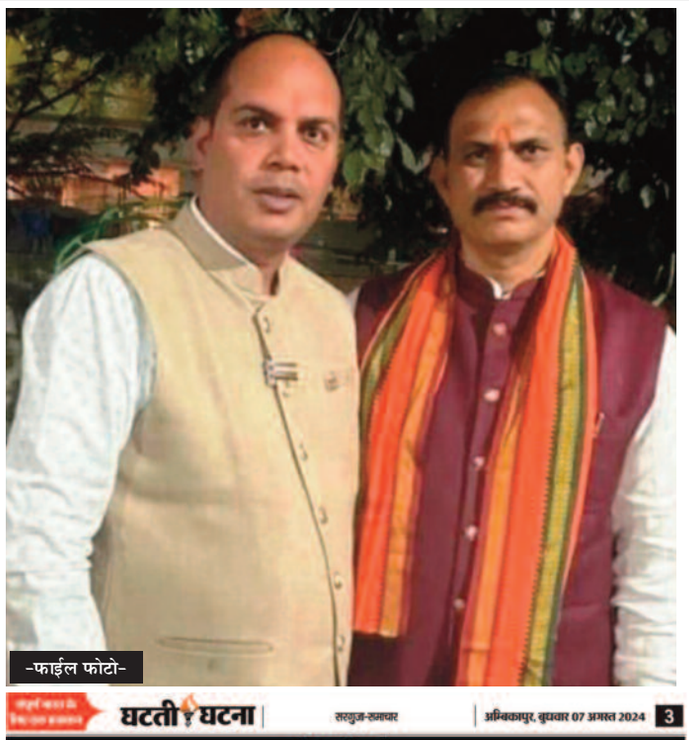

ओएसडी की नौकरी भी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर लगी है और जिसकी शिकायत दिव्यांग संघ नामजद कर रहा है कि किस तरह राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी संजय मरकाम जो फिलहाल स्वास्थ्य मंत्री का ओएसडी है वह शासकीय सेवक एक अधिकारी बतौर सेवा प्रदान कर रहा है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री के कार्यकाल में किस तरह स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रदेश में बुरा हाल है और स्वास्थ्य व्यवस्था प्रदेश की चरमरा गई है और इन्हीं खबरों से स्वास्थ्य मंत्री आहत हो गए और उन्होंने दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र का पहले शासकीय विज्ञापन बंद कराया और बाद में शासन स्तर से एक कानून लाकर वहीं जिला प्रशासन सरगुजा को आगे करके दैनिक घटती-घटना कार्यालय और संपादक के प्रतिष्ठान को जमींदोज करा दिया। वहीं जब इसके बाद भी समाचार-पत्र का विरोध बंद नहीं हुआ और सत्य का प्रकाशन जारी रहा। यह कयास लगाए जा रहे हैं कि अब कोई व्यक्तिगत शारीरिक क्षति संपादक या संवाददाता को पहुंचाई जा सकती है जिसकी संभावना अब प्रबल है। वैसे दैनिक घटती-घटना का सत्य प्रकाशन का अभियान जारी है और वह इसे जारी भी रखने वाली है भले ही अब परिणाम जो सामने आए।

वैसे जिस प्रदेश सरकार खासकर सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने खबरों से आहत होकर समाचार-पत्र को ही नेस्तनाबूत करने का फैसला तत्काल ले लिया वहीं स्वास्थ्य मंत्री और वही प्रदेश सरकार उन भ्रष्ट दो लोगों पर कार्यवाही नहीं कर पा रही है जिनकी यदि आज जांच की जाए तो वह पहले नौकरी से जायेंगे वहीं वह जेल भी जायेंगे क्योंकि उनका कृत्य ही कूट रचना कर नौकरी पाने का है इनमें से एक खुद स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा है जिसकी डिग्री फर्जी होने का दावा साथ ही लिखित मय सबूत शिकायत की जा चुकी है वहीं उनके ही ओएसडी जो फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी है। वैसे यदि इन दो लोगों पर कठोर कार्यवाही करने उपरांत प्रदेश सरकार दैनिक घटती-घटना कार्यालय पर संपादक पर कार्यवाही करती समझ में आता की सरकार सुशासन वाली है और वह न्याय की पक्षधर है भ्रष्टाचार के खिलाफ है लेकिन सरकार ने भ्रष्टाचारियों फर्जी डिग्री धारियों को बचाने के लिए समाचार-पत्र पर ही कार्यवाही कर दी जिससे उसकी मंशा समाने आ गई है कि वह अब भ्रष्टाचार के साथ आगे बढ़ने वाली है। वैसे वर्तमान सरकार इस घोषणा के साथ सत्ता प्राप्त कर सकी है कि वह भ्रष्टाचार की जांच करेगी 100 दिवस में कार्यवाही करेगी। वहीं यह सरकार फर्जी नियुक्तियों को लेकर भी जांच करेगी और कठोर कार्यवाही दंडात्मक करेगी लेकिन दो मामलों में सरकार जब सत्य प्रकाशित करने वाले समाचार-पत्र के खिलाफ ही कार्यवाही करने उतारू हो गई तब समझा जा सकता है कि सरकार की मंशा क्या है वह भ्रष्ट तरीके से नौकरी पाने वालों के ही पक्ष में है उनके साथ है जिनमे एक स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा है एक उनका ओएसडी। अब यह समझा जा सकता है की प्रदेश में अब बेरोजगार रोजगार पाए न पाए योग्य व्यक्ति नौकरी पाए न पाए वर्तमान सरकार में लेकिन फर्जी डिग्री वालों के साथ है सरकार फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र वालो के साथ है सरकार।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है... संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,09 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,09 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

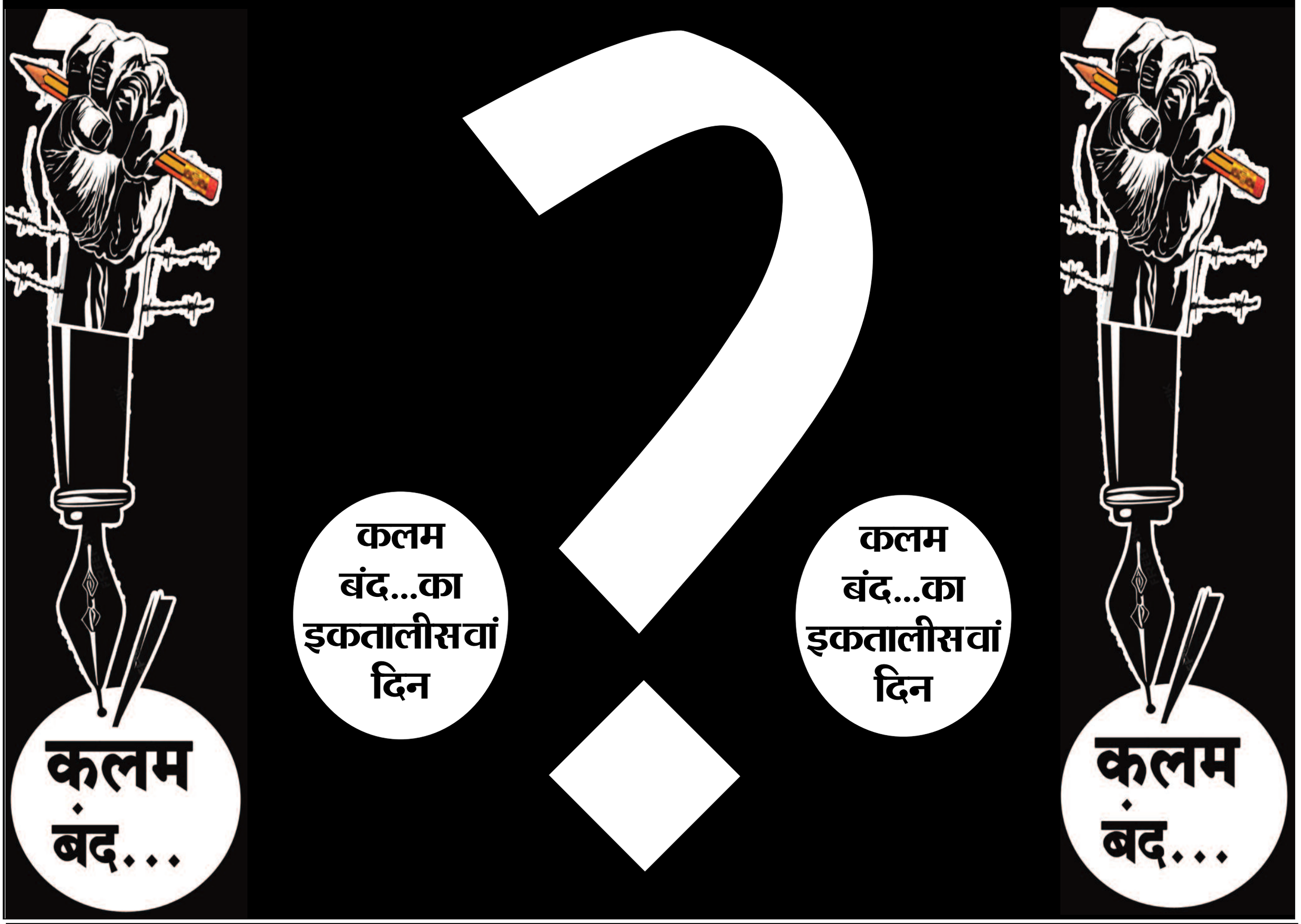

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 09 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

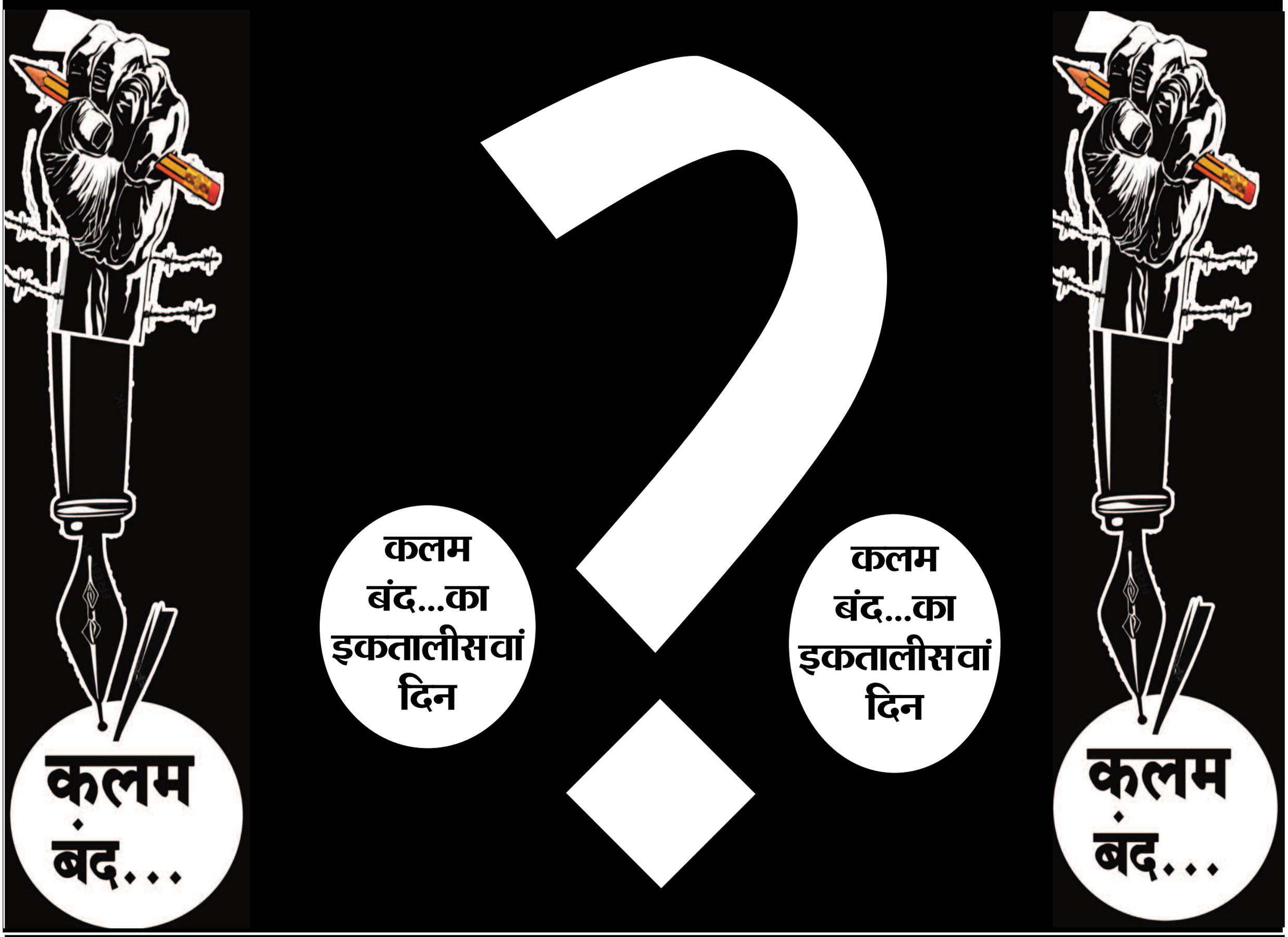

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संक्षिप्त खेल समाचार

हॉकी इंडिया ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम के लिये नकद पुरस्कार का ऐलान किया

नई दिल्ली,09अगस्त 2024। हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के प्रत्येक सदस्य को 15 लाख रूपये और सहयोगी स्टाफ को 7 . 5 लाख रूपये नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है। भारत ने स्पेन को 2 . 1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। यह भारत का ओलंपिक हॉकी में 13वां पदक था। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा ,'' हॉकी इंडिया पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रूपये और सहयोगी स्टाफ को साढे सात लाख रूपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा करता है।

'गोल्डन ब्वॉय' को मिला 'सिल्वर', पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण

पेरिस,09अगस्त 2024। चैम्पियन नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक की भालाफेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गए लेकिन पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक में नये रिकॉर्ड के साथ बाजी मार ली। 26 वर्ष के नीरज का दूसरा थ्रो ही उनका एकमात्र वैध थ्रो रहा जिसमें उन्होंने 89 . 45 मीटर फेंका जो इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। इसके अलावा उनके पांचों प्रयास फाउल रहे। उन्होंने तोक्यो में 87 . 58 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा जीता था।

वहीं नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए दूसरा थ्रो ही 92 . 97 मीटर का लगाया। उन्होंने छठा और आखिरी थ्रो 91 . 79 मीटर का लगाया।पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले बड़ा फैसला

» इस टीम के खिलाफ भी खेलेगा भारत

नई दिल्ली,09अगस्त 2024। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएंगी। इस दौरान होने वाली टेस्ट सीरीज काफी ज्यादा अहम होगी। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में कौन सी दो टीमों के बीच भिड़ंत होगी, इसका फैसला इसी सीरीज से हो सकता है। सीरीज में भले ही अभी वक्त हो, लेकिन इससे पहले ही इसका शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। इस बीच नया अपडेट आया है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में सीरीज में दो वार्मअप मैच खेलेगी। ये मैच पिंक बॉल से खेले जाएंगे। इससे टीम ऑस्ट्रेलिया के माहौल में अपने आप को ढाल लेगी।

सीरीज के दौरान खेला जाएगा पिंक बॉल टेस्ट

एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट से पहले भारत दो दिवसीय पिंक बॉल वार्म अप मैच खेलेगा। कैनबरा में खेले जाने वाले इस वार्मअप मैच में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश से होगा। इससे भारत को फ्लडलाइट के अंदर खेलने का अभ्यास मिलेगा। ये मुकाबला 30 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा। पहले और दूसरे टेस्ट मैच के बीच में जो गैप होगा, उसी दौरान मैच को आयोजित करने का प्लान बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले के दो सीजन में भी दो बार प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यान मैचों का आयोजन करवाया गया था। वेस्टइंडीज ने 2022 में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ एक डे-नाइट अभ्यास मैच खेला था और इसके बाद पाकिस्तान ने भी 2023 में अभ्यास मैच खेला था। हालांकि भारत जो अभ्यास मैच खेल रहा है, उसे चार दिवसीय की जगह, दो ही दिन का मुकाबला होगा।

ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में टीम इंडिया को पिंक बॉल टेस्ट में मिली थी हार

ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौरे पर भारत एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट आठ विकेट से हार गया था। उस मैच में भारत दूसरी पारी में सिर्फ 36 के स्कोर पर आउट हो गया था। टेस्ट में वह भारत का सबसे छोटा स्कोर था। हालांकि उन्होंने उस हार से वापसी करते हुए, भारत ने सीरीज को 2-1 से जीत लिया था। भारत-ऑस्ट्रेलिया के उस दौरे पर एडिलेड चार मैचों की सीरीज का शुरुआती टेस्ट था, जो कोविड-19 की चुनौतियों के बावजूद आयोजित किया गया था। हालांकि इस बार सीरीज पर्थ में शुरू होगी और इसमें पांच टेस्ट शामिल होंगे। कुल मिलाकर भारत ने केवल चार डे-नाइट टेस्ट खेले हैं, जिनमें सबसे हालिया 2022 में बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ था। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने 12 (सभी घरेलू मैदान पर) पिंक बॉल टेस्ट खेले हैं। पिछले सीजन में ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्हें पिंक बॉल टेस्ट में आठ रनों से हार का सामना करना पड़ा था। यह उनकी पहली हार थी।

22 नवंबर को खेला जाएगा सीरीज का पहला टेस्ट

भारत को 22 नवंबर को होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व 15 नवंबर से 18 नवंबर तक वाका में इंट्रा-स्क्वाड वार्म अप मैच खेलना है। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचेगा। भारत ए टीम अक्टूबर के अंत में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी और मैके और मेलबर्न में दो चार दिवसीय मैच खेलेगी।

क्लोजिंग सेरेमनी में मनु भाकर के साथ पीआर श्रीजेश होंगे भारत के ध्वजवाहक

पेरिस,09अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत जहां 26 जुलाई को ओपनिंग सेरेमनी के साथ हुई थी तो वहीं 11 अगस्त को क्लोजिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। भारतीय ओलंपिक संघ की तरफ से ये जानकारी दी गई है कि क्लोजिंग सेरेमनी में भारत की तरफ से ध्वजवाहक की जिम्मेदारी शूटिंग में 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालीं मनु भाकर के साथ हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश संभालेंगे। इससे पहले ओपनिंग सेरेमनी में भारत के लिए पीवी सिंधु ने जहां महिला ध्वजवाहक की भूमिका अदा की थी तो वहीं शरत कमल ने पुरुष ध्वजवाहक की जिम्मेदारी को संभाला था।

श्रीजेश ने 2 दशक तक भारतीय हॉकी टीम के लिए दिया है योगदान

इंडियन ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने दोनों ही एथलीट के नामों का ऐलान करने के साथ अपने बयान में कहा कि श्रीजेश काफी भावुक थे जब उन्हें ध्वजवाहक के रूप में चुना गया। उनके साथ शेफ-डी-मिशन गगन नारंग और भारतीय दल भी क्लोजिंग सेरेमनी में शामिल होगा। श्रीजेश ने भारतीय हॉकी टीम के लिए 2 दशक तक योगदान दिया है। वहीं पीटी ऊषा ने पुरुष ध्वजवाहक के लिए पहले जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा से बात की थी लेकिन उन्होंने श्रीजेश को ये जिम्मेदारी देने का आग्रह किया।

मनु ने शूटिंग में जीते हैं 2 मेडल

भारत अब तक पेरिस ओलंपिक में 5 पदक जीतने में कामयाब हुआ है जिसमें से 2 पदकों में मनु भाकर की अहम भूमिका रही। मनु ने जहां 10 मीटर एयर पिस्टल के इवेंट में ब्रॉन्ज तो वहीं दूसरा कांस्य पदक उन्होंने 10 मीटर मिक्सड पिस्टल के इवेंट में जीता था। पीआर श्रीजेश को लेकर बात की जाए तो पेरिस ओलंपिक में उन्होंने गोलकीपर के रूप में काफी अहम भूमिका अदा की जिससे भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को भी मात देने में कामयाब हो सकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीरज चोपड़ा को रजत पदक जीतने पर बधाई दी

नई दिल्ली,09अगस्त 2024। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को फोन किया और रजत पदक जीतने पर बधाई दी। उनसे उनकी चोट के बारे में भी पूछताछ की गई और उनकी मां की एथलेटिक क्षमता की प्रशंसा की गई। मोदी ने फोन पर चोपड़ा के काम और प्रतिबद्धता की सराहना की. इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर बधाईयांलिखा. वह अनगिनत महत्वाकांक्षी एथलीटों को अपने सपनों को हासिल करने और हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्पीकर ओम बिरला और विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई हस्तियों ने भी नीरज चोपड़ा को रजत पदक जीतने पर बधाई दी।

विनेश फोगाट को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

सिल्वर मेडल की अपील पर कब आएगा फैसला

नई दिल्ली,09अगस्त 2024। ओलंपिक 2024 अब अपने आखिरी दौर में है। 11 अगस्त को पेरिस ओलंपिक की क्लोजिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। इस बार ओलंपिक में भारत ने कुल एक सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। भारतीय एथलीटों ने इस ओलंपिक में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं किया है। इसी बीच विनेश फोगाट के सिल्वर मेडल की मांग को लेकर फैसला अभी भी फंसा हुआ है। हालांकि उनके आवेदन को 8 अगस्त को स्वीकार कर लिया गया था। दरअसल महिलाओं की रेसलिंग में 50 किग्रा प्रतियोगिता के गोल्ड मैच से पहले विनेश फोगाट को 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

सामने आया बड़ा अपडेट

विनेश फोगाट की सीएएस ने कथित तौर पर पेरिस ओलंपिक 2024 के अंत से पहले भारतीय पहलवान विनेश फोगट की अयोग्यता के खिलाफ याचिका पर अंतिम फैसला लेने का फैसला किया है। बुधवार को महिलाओं की 50 किग्रा की फाइनल बाउट से कुछ घंटे पहले आयोजकों द्वारा उन्हें अयोग्य घोषित किए जाने के बाद विनेश ने सीएएस का दरवाजा खटखटाया था।

विनेश को पूरे देश से मिला समर्थन

29 वर्षीय भारतीय स्टार का वजन अमेरिका की सारा हिल्डेब्रांट के खिलाफ स्वर्ण पदक के लिए अपने अंतिम मुकाबले से कुछ घंटे पहले 100 ग्राम अधिक पाया गया। आईओसी ने विनेश को अयोग्य घोषित कर दिया और उन्हें रजत पदक देने से इनकार करके भारतीय खेमे को और भी हैरान कर दिया। भारतीय फैंस, भारतीय कुश्ती महासंघ और भारतीय ओलंपिक संघ ने विनेश की अयोग्यता पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।वहीं विनेश ने कुश्ती से संन्यास की घोषणा करके अपने फैंस को चौंका दिया और सीएएस में रजत पदक के लिए अपील की। सीएएस द्वारा जारी मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, विनेश ने आईओसी के फैसले को एड हॉक डिवीजन में चुनौती दी और फाइनल मैच से पहले एक और वजन-माप की मांग की, लेकिन तत्काल सुनवाई का अनुरोध नहीं किया।

मोहम्मद शमी की वापसी को लेकर आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली,09अगस्त 2024। लंबे समय से टीम इंडिया से दूर चल रहे भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। मोहम्मद शमी आखिरी बार 2023 वनडे वर्ल्ड कप में शिरकत करते नजर आए थे। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7 विकेट लेकर उन्होंने कमाल कर दिया था, जो विश्व कप में किसी भारतीय तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके बाद शमी को टखने की चोट के कारण मैदान से दूर होना पड़ा और फिर सर्जर भी करानी पड़ी। तब से ही वह रिकवरी से गुजर रहे है। लेकिन अब वह 9 महीने के लंबे अंतराल के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। दरअसल, शमी इस साल सितंबर तक वापसी की उम्मीद कर सकते हैं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, शमी को सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के साथ अंतरराष्ट्रीय वापसी करने से पहले अपनी मैच फिटनेस साबित करने के लिए दलीप ट्रॉफी खेलनी पड़ सकती है। दलीप ट्रॉफी का 5 सितंबर से आगाज होगा और 22 सितंबर तक चलेगा जिसमें 6 जोन शिरकत करेंगे। 33 वर्षीय शमी वर्तमान में बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हैं, और वह अपने रिहैबिलिटेशन के अंतिम फेज में हैं। आगे बताया गया कि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने तेजी से रिकवरी की है, जिसकी पुष्टि सिलेक्शन कमेटी के चीफ अजीत अगरकर ने की।

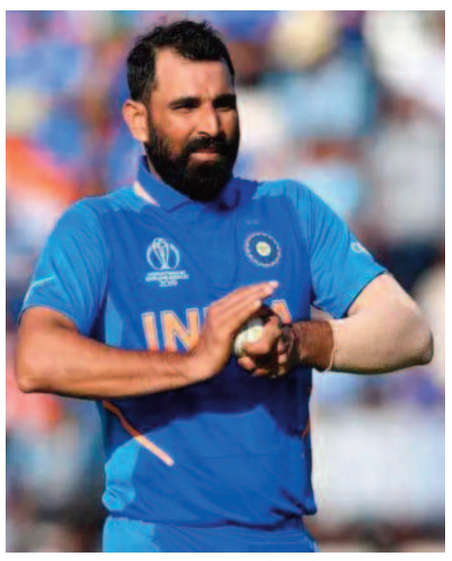

वापसी के लिए बेताब शमी

अगरकर ने श्रीलंका दौरे से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, हमें कमोबेश पता है कि वो कौन से खिलाड़ी जो चुने जाने हैं, इस समय कुछ खिलाड़ी चोटिल हैं और उम्मीद है कि वे ठीक हो जाएंगे। शमी ने गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है जो एक अच्छा संकेत है। 19 सितंबर को पहला टेस्ट मैच है और हमेशा यही लक्ष्य था। मुझे नहीं पता कि उसके ठीक होने का समय यही है या नहीं, इस बारे में एनसीए के लोगों से पूछना होगा।उन्होंने कहा कि अभी बहुत सारे टेस्ट मैच खेले जाने हैं जिसके लिए गेंदबाजी में थोड़ी गहराई की जरुरत होगी। बुमराह, शमी और सिराज कुछ समय से टीम में हैं, ये साफ हैं। लेकिन इस बारे में कुछ बातचीत होगी। बहुत सारे फर्स्ट क्लास मैच आने वाले हैं, इसलिए ऐसे खिलाड़ियों को तैयार कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में जन्में शमी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी से पहले अपनी घरेलू टीम बंगाल के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई है। हालांकि, शमी की अगर वापसी होती है और वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज खेलते हैं तो उनको रणजी में खेलने का मौका नहीं मिलेगा क्योंकि घरेलू मैदान पर भारत अक्तूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच और फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी।

भारतीय मूल के विश्व रामकुमार ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 के लिए चुने गए

कैनबरा,09अगस्त 2024। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय मूल के प्रतिभाशाली लेग स्पिनर विश्व रामकुमार को आगामी अंडर-19 पुरुष भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया है। रामकुमार हरजस सिंह और हरकीरत बाजवा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, जिन्होंने फरवरी में 2024 आईसीसी पुरुष अंडर 19 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया था। स्टेट टैलेंट मैनेजर्स के सहयोग से यूथ सिलेक्शन पैनल द्वारा चुनी गई 16 खिलाड़ियों की टीम सितंबर में भारत में शुरू होने वाली मल्टी-फॉर्मेट सीरीज़ में भाग लेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस दौरे में तीन 50-ओवर के मैच और दो चार दिवसीय खेल शामिल हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए एक नए विश्व कप चक्र की शुरुआत को चिह्नित करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2024 आईसीसी पुरुष अंडर 19 विश्व कप में अपने अपराजित रन के बाद आत्मविश्वास के साथ श्रृंखला में प्रवेश करती हैं।

आप मुझ पर चढ़िए मत..., तापसी पन्नू पपाराजी पर फिर भड़कीं

मांगनी पड़ी माफी! लोग बोले- ये भविष्य की जया बच्चन

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू का अक्सर पपाराजी से 36 का आंकड़ा देखे को मिलता है। वह हमेशा उनसे भिड़ती दिखाई देती हैं, जिस कारण लोग उन्हें दूसरी जया बच्चन भी कहते हैं। अब उनका एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है, जिसमें वह किसी इवेंट में पहुंची थीं और वहां पर वह पैप्स से कुछ ऐसा बोलती दिखाई दीं, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी फिर से आलोचना होनी शुरू हो गई।

दरअसल, तापसी पन्नू की फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा का गुरुवार, 8 अगस्त को मुंबई में प्रीमियर हुआ। 9 अगस्त दोपहर 1.30 बजे से ये नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने लगी। अब प्रीमियर वाली रात एक्ट्रेस पहले अच्छे से पैप्स के आगे पोज देती दिखीं। लेकिन जब वहां से रवाना होने लगीं तो अलग ही मिजाज में नजर आईं। बात इतनी बढ़ गई थी कि पैप्स को माफी तक मांगनी पड़ी थी। मगर एक्ट्रेस का पारा चढ़ चुका था। वह फिर कहां किसी को भाव देने वाली थीं।दरअसल, तापसी पन्नू थिएटर के पीछे के गेट से निकलती हैं। इस दौरान उनके साथ सुरक्षाकर्मी भी होते हैं, जो उन्हें कार तक ड्रॉप करके आते हैं। इस दौरान हुआ ये कि फोटोग्राफर ने उनका क्लोज शॉट लेने की कोशिश की। जिससे एक्ट्रेस काफी घबरा गईं और असहज महसूस करने लगीं। वह तुरंत जोर से बोली, आप चढ़िए मत। आप चढ़ के आएंगे तो आप मुझे डरा रहे हैं। जैसे ही तापसी अपनी कार के पास पहुंची, पैप्स के साथियों ने उससे कहा कि वह सॉरी बोल दे, जिसके बाद उस पपाराजी ने किया भी।एक पैपराजी ने तापसी पन्नू को बताया भी कि उस व्यक्ति ने माफी मांग ली है तो एक्ट्रेस ने जवाब में कहा, थैंक यू। मगर वह कुछ संतुष्ट नहीं थीं। इस पर एक यूजर ने लिखा, नई जया बच्चन बनने वाली है। एक ने लिखा, मजा तो तब आएगा, जब मैडम के आते ही सारे पैपराजी उल्टा चेहरा करके इग्नोर करेंगे। एक ने लिखा, क्यों सॉरी बोलना है, कौन है ये, कहां की महारानी हैं। एक ने लिखा, ये हमेशा ओवरएक्टिंग करती है। एक ने लिखा, हमेशा पैप्स से ही दिक्कत होती है तो एक्ट्रेस क्यों बनीं दीदी। एक ने लिखा, बायकॉट करो, एटीट्यूड नीचे आ जाएगा।

यूके सरकार को कानून समझने में एक महीना कैसे लग गया?

संजय दत्त का वीज़ा कैंसिल हुआ तो आगबबूला हुए एक्टर

पिछले दिनों एक हैरान करने वाली खबर आई कि संजय दत्त को फिल्म सन ऑफ सरदार 2 से बाहर कर दिया गया। वजह बताई गई कि ब्रिटिश सरकार ने बरसों पहले जेल की सजा का हवाला देते हुए उनका यूके वीजा खारिज कर दिया है। अजय देवगन स्टारर इस फिल्म की शूटिंग स्कॉटलैंड में हो रही है। दत्त ने अब शुरुआत में वीजा देने और फिर एक महीने बाद इसे रद्द करने के लिए यूके सरकार की कड़ी आलोचना की है।

हाल ही में ये खबर आई कि अजय देवगन और संजय दत्त की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 से संजू बाबा को आउट कर दिया गया है। खबर ये भी आई कि मेकर्स ने उनकी जगह रवि किशन को लिया है। हालांकि, इसी के साथ एक ताजा अपडेट ये भी सुनने में आया कि जब स्कॉटलैंड से लौटकर वे इस फिल्म की शूटिंग भारत में करेंगे को एक खास भूमिका के लिए संजय भी शामिल हो सकते हैं।

एक्टर ने बातचीत में कहा, मैं एक ही बात जानता हूं कि यूके सरकार ने सही काम नहीं किया। उन्होंने मुझे वीज़ा दिया (शुरू में)। वहां (यूके में) सारे पेमेंट हो गए थे, सब कुछ तैयार था। फिर एक महीने बाद आप मेरा वीज़ा कैंसिल कर रहे हैं! मैंने आपको (यूके सरकार को) सभी कागजात और सब कुछ (जरूरी डीटेल्स) दे दिया। आपको मुझे वीज़ा नहीं देना था,आपको कानून समझने में एक महीना कैसे लग गया?

संजय की जगह आखिरी समय में रवि किशन को लिया गया। जब उनसे फिल्म में खास भूमिका की संभावना को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा- मुझे इस बारे में नहीं पता। हालांकि, एक्टर ने स्वीकार किया कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को नहीं छोड़ा है।

एक्टर ने कहा, वैसे भी कौन यूके जा रहा है? वहां बहुत सारे दंगे हो रहे हैं। यहां तक कि भारत सरकार ने भी एक बयान जारी किया है कि आपको यूके नहीं जाना चाहिए। इसलिए, मैं कुछ भी मिस नहीं कर रहा हूं। लेकिन हां, उन्होंने गलत तो किया है। उन्हें इसमें सुधार करने की जरूरत है। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं, मैं कानून के अनुसार चलता हूं और मैं हर देश के कानून का सम्मान करता हूं।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं नासिर रजा आ.सफ्दर रजा, उम्र लगभग 22 वर्ष,निवासी वार्ड क्रमांक-10 पानी टंकी के पास, बाजारपारा, भटगांव थाना व तहसील भटगांव, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) यह कथन करता हूं कि मेरी कक्षा1 से 12 वीं तक के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं विद्यालयीन दस्तावेजों में मेरी माता का नाम तसीलम बानो अंकित है जो कि मेरी माता का घरेलु एवं पुकारू नाम है। मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम राजकुमारी है जो कि मेरी माता के आधार कार्ड क्रमांक 789591852704 एवं मेरी माता के अन्य शैक्षणिक प्रमाण पत्रों,राशन कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में अंकित है।

अतः मेरे कक्षा 1 से 12 तक के सम्पूर्ण शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं विद्यालयीन अभिलेखों में अंकित मेरी माता का घरेलू एवं पुकारू नाम तसीलम बानो को सुधार कर उसके स्थान पर मेरी माता का वास्तविक नाम राजकुमारी (RAJKUMARI) अंकित किया जाना आवश्यक है जिस हेतु मेरा स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

नासिर रजा
वार्ड क्रमांक-10,पानी टंकी के पास,
बाजारपारा,भटगांव
थाना व तहसील भटगांव
जिला सूरजपुर (छ0ग0)

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

राजधानी समाचार

अम्बिकापुर, शनिवार 10 अगस्त 2024

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)